Issue: 156
11 Sept. 2020
www.jainachar.com Daily
जैनाचार
Editor: Mamta Anil Gandhi - Mumbai 9619160611 / 9323804751

çdk'k ,o vèkdkj iqnxy dh gh i;k; gksu ij Hkh çdk'k exy lwpd rFkk oLrqvks dks çdkf'kr djus es leFk g

वैज्ञानिक धर्माचार्य कनक नंदी गुरुदेव ने पुण्य पाप की मीमांसा करते हुए बताया कि प्रकाश एवं अंधकार पुद्गल की ही पर्याय होने पर भी प्रकाश मंगल सूचक तथा वस्तुओं को प्रकाशित करने में समर्थ है परंतु अंधकार अमंगल सूचक तथा दृष्टि शक्ति अवरोधक है इसी प्रकार पुण्य और पाप द्रव्य दृष्टि से समान होने पर भी पर्याय दृष्टि से महान अंतर है पुण्य कर्म शारीरिक इंद्रिय जनित सांसारिक सुख के साथ परंपरा से मोक्ष सुख को देने वाला है परंतु पाप कर्म शारीरिक मानसिक इंद्रिय जनित दुख के साथ साथ संसार की परंपरा वृद्धि करके सांसारिक दुख को देने वाला है कुऐ से पानी निकालने के लिए जैसे बाल्टी में रस्सी को बांधते हैं उसी प्रकार संसार रूपी कुऐ से जीव को निकालने के लिए सातिशय पुण्यानुबधी पुण्य का बंधन चाहिए कुऐ से पानी निकालने के बाद जैसे रस्सी को खोल देते हैं उसी प्रकार संसार की अंतिम अवस्था में एवं मोक्ष के प्रथम समय में पाप के साथ–साथ पुण्य बंधन भी पूर्ण रूप से मुक्त हो जाता है

श्री कनकनन्दी जी प्रवचनमाला दिनांक 10 सितम्बर 2020 को पुनः प्रारम्भ दोपहर 3.30 से 4.30 बजे तक नित्य सोमवार व गुरुवार को कलिकाल अकलंक व समन्तभद्र के नाम से विख्यात सिद्धान्त चक्रवर्ती स्वाध्याय तपस्वी वैज्ञानिक धर्माचार्य श्री कनकनन्दी जी गुरूराज का श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा द्वारा संचालित जैनम जूम चैनल के माध्यम से विश्व द्रव्य विज्ञान(द्रव्य सँग्रह)महान ग्रन्थ का स्वाध्याय होगा।

निवेदक–वैज्ञानिक डॉ राजमल जी जैन अध्यक्ष श्री गुरुभक्त अतिउच्च शिक्षाविद विश्व व्यापक विद्व त संघ इस गहन सारभूत पवित्र ग्रथं के वैज्ञानिक–आध्यात्मिक व धार्मिक शिक्षा लाभ को अवश्य प्राप्त करे। ठीक समय पर इस लिंक पर जाकर स्वध्याय का लाभ लेवे...

https://us02web-zoom-us/j/6054484342\pwd¾NWcveTdra3JnVlVTSnY5dnMvR1ZGdz09

Meeting I D: 605 448 4342, Paasword:1008

श्रुत रत्नाकर शिक्षण संस्थान की जूम चैनल के माध्यम से कलिकाल अकलंक व समन्तभद्र के नाम से विख्यात स्वाध्याय तपस्वी वैज्ञानिक धर्माचार्य श्री कनकनन्दी जी गुरूराज की प्रवचन माला से सप्ताह में दो बार पुनः प्रारम्भ मंगलवार व शनिवार प्रातः 8.30 बजे से 9.30 बजे तक...

विषय–स्वतंत्रता के सूत्र(मोक्ष शास्त्र/तत्वार्थ सूत्र)

श्रुत रत्नाकर Zoom id& 846 6468 2463, Password&3131

सीधी लिंक

Zoom App }kjk Direct tqM+us ds fy, Link : https:@@us02web-zoom-us@j@87266889590

आज सभी 8.30 बजे सभी सम्मिलित होवे

lalkj lkxj ls ikj mrjus ds fy, t:jh g i#"kkFk

ज्ञानी जीव अपने सभी कार्य संभालकर करते हैं। मोक्षमार्गी संत संसार से पर उतरने के लिए ही अपना पुरुषार्थ करते हैं। वे अपने प्रत्येक चर्या व चर्चा संभल कर करते हैं। कहीं दोष न लग जाए, सधी व नपी तुली जीवन चर्या का निर्वाहन करते हैं। गुणों की प्राप्ति करना, गुणवानों की प्रशंसा करना, गुणवानों को देखकर प्रसन्न होना, गुणी जनों की चर्या व अर्चा करना यह तो सज्जन पुरुषों की विशेषता हुआ करती है। ऐसे सज्जन पुरुष दूसरों के गुणों को स्वयं के लिए ग्रहण करते हैं और दूसरों के दोषों पर उनकी नजर नहीं होती। ऐसे पुरुष अपने दोषों की निंदा व दूसरें के गुणों की प्रशंसा करते रहते हैं। इसलिए संसार सागर से पार उतरने के लिए पुरुषार्थ जरूरी है।

सिद्धक्षेत्र बावनगजा में धर्म सभा में मुनिश्री अध्ययन सागरजी महाराज ने पुरुषार्थ व कर्मों की विचित्रता का महत्व बताया। चातुर्मास आराधना के दौरान सिद्धक्षेत्र में सीमित लोगों की मौजूदगी में धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। हम जैसा चिंतन करेंगे, जैसे विचार और सोच रखेंगे वैसे ही कार्यरूप परिणत होगा। इसलिए जगत पूज्यता, पावनता, ऊचाईयों को वहीं प्राप्त हो पाता है, जो जीवन में अच्छाईयों को स्थान देते हैं। उन्होंने कहा अच्छी बातें व आदतों का संग्रहण करते हैं। अपने जीवन में उतारते हैं। जगत के लिए ऐसे आदमी पुरुष, महापुरुष कहलाते हैं। मुनिश्री ने कहा स्वार्थ प्रवृत्ति का त्याग करना होगा। मुनिश्री ने कहा मोक्षगामी अध्यात्म व व्यवहार दोनों स्तर पर मन, वचन, काया को सरल रूप से परिणत करता हुआ संसार सागर से पात उतर जाता है। जिससे संसार के दुखों के साथ छूट जाता है। उन्होंने कहा आत्म वैभव की प्राप्ति कर लेता है। यह है जीव के नियम संयम के साथ जीवन निर्वाहन करने वालों की उच्च आदर्श स्थिति। इसलिए हमेशा संतों व सज्जनों की संगति करें। उनके गुणों को धारण करें। आप भी संसार के दुखों से मुक्त हो जाओगे।

fcuk nh{kk ds efu ugh fcuk efu ds ek{k ugh---

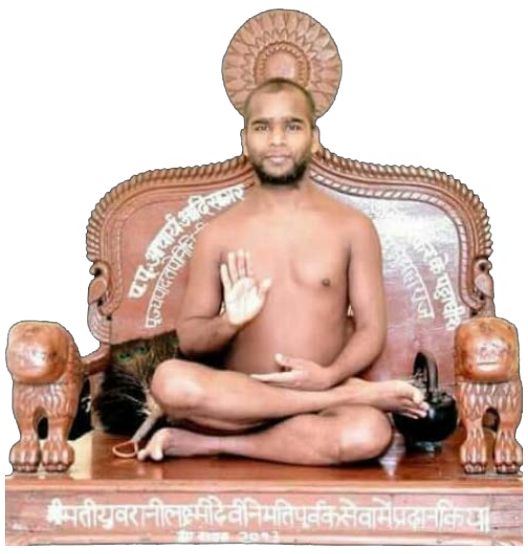

ना मेरा एक होगा ना तेरा लाख होगा
ना तेरी तारीफ होगी ना मेरी तारीफ होगी
गुरुर ना कर इस चमड़ी के कड़हर पर
मेरा भी खाक होगा तेरा भी खाक होगा।।

आत्माथियों! यह जीव हरदम इस शरीर का गुरुर करता रहा है। इसलिए उसे शरीर मिल ही रहा है अमर स्वरूप का गुरुर किया होता तो स्वरूप को प्राप्त कर सिद्धालय में विराजा होता जिसमें शरीर का गुरुर छोड़ा वही दिगंबर दीक्षा को स्वीकारता हैं।

ज्ञानियों! विभिन्न धर्मों में दीक्षा का स्वरूप विभिन्न है। कोई वस्त्र बदल लेते, कोई वस्त्र का स्वरूप, पहनावा बदलते हैं। कहीं पर माला पे माला पहनाई जाती है। पर यहां दिगंबर जैन सत्रशय मैं जो दीक्षा होती है ऊपर से कपड़ों की गांठ नहीं और अंदर से लकडो की की गांठ नहीं है। जिनके पास कोई परिग्रह नहीं रति का भी परिग्रह नहीं है । जीने की कोई आशा भी नहीं, निर्दोष हो, मांस मधु का त्यागी हो ,आत्मा से अनुराग करने वाला हो, वही दिगंबर संत कहलाता है। आशा रूपी गड्ढा इतना बड़ा है कि पूरा संसार उसमें भराओ तो उसी गड्ढे के एक कोने में ही संसार बसत्ता है। इसलिए इन त्यागी वृति संतो ने आशाओं का त्याग कर दिया है। आशाओं के दास तो किसके भी दास बनने के लिए तैयार हो जाते हैं। जिन्होंने ने आशाओं को दास बना लिया है। उसका सारा जगत दास बन जाता है। योगी तो यही चितवन करता है कि इस भूतल का तीन का मात्र भी मेरा नहीं है। इन साधुओं का जीवन साधना से पवित्र होता हैं। युवाओं इस दीक्षा का एक ही लक्ष्य है कि सारे कर्मों को काट कर परम पवित्र मोक्ष दशा को प्राप्त हो जाए।

इसी मंगलमय भावना के साथ 24 तीर्थंकर भगवान की जय!!!

lekt fgr es Jh lekt dk ,frgkfld Qlyk gqeM+iqje es [kqyxk dkfoM vkblky'ku lVj

वरिष्ठ जनों की बैठक में हुआ फैसला, श्री समाज के वरिष्ठ जनों की बैठक आज समाज के गौरवमयी अध्यक्ष दिनेश जी खोड़निया की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में पिछले लंबे समय से कोविड से समाज में हो रही मौतों और संक्रमण को लेकर के चर्चा की गई। श्री समाज के अध्यक्ष खोड़निया ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा की डूंगरपुर बांसवाड़ा के सभी गांव में जैन समाज में कोरोना का संक्रमण भारी संख्या में बढ़ रहा है और लोग डर के कारण अहमदाबाद की तरफ रुख कर रहे हैं। जहां पर निजी हॉस्पिटलों के द्वारा हमारे समाज जनों के साथ काफी लूटपाट की जारी है, खोड़निया जी ने कहा कि विपिन भाई सराफ ने बताया कि पिछले एक माह में डूंगरपुर बांसवाड़ा समाज जनो से लगभग 5 करोड़ रुपिया अहमदाबाद के निजी अस्पतालों ने लूट लिया है। लोगों को डराया जा रहा है और जो भी पॉजिटिव आता है वह डरकर के निजी चिकित्सालय में जाता है और तत्काल 2 लाख एडवांस ले लिया जाता है और तीन से 500000 का बिल उसको चुकाना पड़ता है। इसी चिंता को लेकर के खोड़निया ने आज बैठक आमंत्रित की थी और तय किया था की जैन समाज का धन बर्बाद ना हो। किसी भी व्यक्ति को संक्रमण होने पर घबराने की जरूरत ना हो उसको बढ़िया सुविधा मिले इस हेतु हुमड़ पुरम में कोविड केयर सेंटर खोलने की आवश्यकता है। श्री समाज के अध्यक्ष के प्रस्ताव पर दिलीप कुमार जी सेठ सुंदरलाल जी डागरिया उदयपुर खुशपाल जी शाह नरेंद्र जी खोड़निया कीर्ति कुमार जी निलेश जी सिंघवी ने समर्थन दिता वही दिन भर अध्यक्ष जी ने सभी वरिष्ठ लोगों से मोबाइल के द्वारा चर्चा भी की और सोशल मीडिया में भी सभी गांव से इस संबंध में जबरदस्त मांग रखी गई। श्री समाज के अध्यक्ष खोड़निया जी ने बताया की हुमड़ पुरम के तीन कमरों में 50 बेड लगाए जाएंगे जहां पर डॉक्टर व नर्सिंग कर्मी 24 घंटे उपलब्ध रहेंगे उनके शुद्ध भोजन की व्यवस्था वहां पर की जाएगी सफाई कर्मी लगाए जाएंगे। सैनिटाइजर मास्क ग्लव्स व्हीलचेयर भाप लेने का केटेल रखा जाएगा 7 दिन की 10 दिन की दवाइयों की व्यवस्था भी वहां पर की जाएगी। यहां पर सिर्फ पॉजिटिव आए हुए मरीजों को रखा जाएगा अगर किसी की तबीयत ज्यादा खराब है तो उसे एंबुलेंस के द्वारा सरकारी कोविड–19 में भेजा जाएगा।

बैठक में शिक्षण प्रबंधन समिति के अध्यक्ष खुशपाल जी शाह ने बताया की इस कोविड सेंटर को तैयार करने हेतु पलंग–बिस्तर और अन्य प्रकार की सभी सामग्री खरीदने हेतु लगभग 6 लाख का खर्च होगा जिसके लिए मीटिंग में उपस्थित सभी लोगों ने प्रस्ताव लिया की प्रत्येक गांव से अभी मात्र 10 हजार लिया जाए, ताकि तत्काल हॉस्पिटल तैयार किया जा सके। रोगियों को 10 दिन रहना वहां पर आवश्यक होगा इसलिए उनके भोजन साफ सफाई प्रतिदिन की दवाइयां नर्सिंग स्टाफ का वेतन सब मिलाकर के जो खर्च आएगा, वह रोगियों के मार्फत चुकाया जाएगा बैठक में सागवाड़ा के श्री विनय मेहता मेल नर्स ने चिकित्सा संबंधी सभी प्रकार की जानकारी उपलब्ध करवाई।

बैठक में कोविड–19 की सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से जमाने हेतु व्यवश्था कमिटि का गठन किया गया है जिसमे 1. श्री निलेश संघवी चार्टर्ड अकाउंटेंट 2. श्री विनय मेहता मेल नर्स 3. श्री नगीन लाल जैन अध्यक्ष कॉलोनी 4. श्री कल्पेश शाह सरोदा 5. श्री सतीश जैन खोड़न 6. श्री कमलेश खोडनिया तलवाडा 7. श्री अनिल जैन तलवाडा 8. श्री प्रशांत जी जैन कलिंजरा को प्रभारी मनोनीत किया गया है, साथ ही श्री समाज के डॉक्टरों की एक कमेटी भी बनाई गई है जो मेडिकल संबंधी समस्त व्यवस्थाओं को प्रतिदिन देखेंगे।

सादर अशोक जैन, महासचिव